आरती – लक्ष्मीजी की

ॐ जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता,
तुमको निसदिन सेवत, हर विष्णु धाता। ॐ जय लक्ष्मी ....
उमा, रमा, ब्रह्माणी, तुम ही जग–माता,
सूर्य–चन्द्रमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता। ॐ जय लक्ष्मी ....
दुर्गा रूप निरंजनि, सुख–सम्पति दाता,
जो कोई तुमको ध्यावत, ऋद्धि–सिद्धि–धन पाता। ॐ जय लक्ष्मी ....
तुम पाताल निवासिनी, तुम ही शुभदाता,
कर्म–प्रभाव–प्रकाशिनि, भवनिधि की त्राता। ॐ जय लक्ष्मी ....
जिस घर में तुम रहती, सब सद्गुण आता,
सब सम्भव हो जाता, मन नहीं घबराता। ॐ जय लक्ष्मी ....
तुम बिन यज्ञ न होते, वस्त्र न कोई पाता,
खान–पान का वैभव, सब तुमसे आता। ॐ जय लक्ष्मी ....
शुभ–गुण–मंदिर सुंदर, क्षीरोदधि–जाता,
रत्न चतुर्दश तुम बिन, कोई नहीं पाता। ॐ जय लक्ष्मी ....
महालक्ष्मीजी की आरती, जो कोई नर गाता,
उर आनन्द समाता, पाप उतर जाता। ॐ जय लक्ष्मी ....